

भारत सरकार  
कानूनीक लोक शिक्षायत तथा पैशान मंत्रालय  
कानूनीक और प्रशिक्षण विभाग

लंड डिन्ली, दिनांक: 27 दिसम्बर, 2011

### अधिसूचना

साकानि... — — — सवियान के अनुच्छेद 148 के अंडे (१) के साथ परिवर्त अनुच्छेद (२) के परन्तुक हारा प्रदय शक्तियों का पर्याप्त करते हुए तथा आरतीय लेखा-परीक्षा एवं सेवा विभाग में कायदान लानेकों के संबंध में भारत के नियमक एवं गतिलेखा परीक्षक के गाथ परामर्श करते के बाद प्रदृष्टि कीज विभाग सेवा (अवकाश) वियमायली, 1972 में आगे संशोधन करने के लिए विभाजित विभाग बनाते हैं अर्थात्,

1. (१) वे वियम केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) (विभाग, २०१) कहे जाएं।  
(२) वे सरकारी राजपत्र में उनके प्रकाशन की सिथि से प्रयुत होंगे।
2. केंद्रीय सिविल सेवा (अवकाश) वियमायली, 1972 की पथम अनुसूची में "नामिकों का नियमी अवकाश" शब्दों के बाद कालम २ में कम संख्या (१) की जगह शिशु गोद लेना वया शिशु लक्षण अवकाश के तिए "पैतृक अवकाश शिशु गोद लेने के लिए अवकाश, पैतृक अवकाश" ओड़ा जाएगा।

[फाइल संख्या: १३०२६, ११/२०११-विभाग(मानकाश)]

(प्रमात्र कुन्ता)

प्रधानमंत्री, भारत सरकार

फ़ॉकॉड: १३०२६, ११/२०११-विभाग(मानकाश)

वाद दियायी: मूल वियमायली दिनांक २ अप्रैल, 1972 के एस.आ. संख्या ७५० द्वारा प्रकाशित को लंड डी तथा इसमें दावसे वाद में दिनांक २७ अगस्त, २०११ के द्वारा साकानि ६४८ (अ) द्वारा संशोधन प्रयोग कराया गया।

देवा भ.

प्रबंधक,

आरतीय लेखा-परीक्षा,

मानविकी, विभा रोड,

लंड डिन्ली - ६४